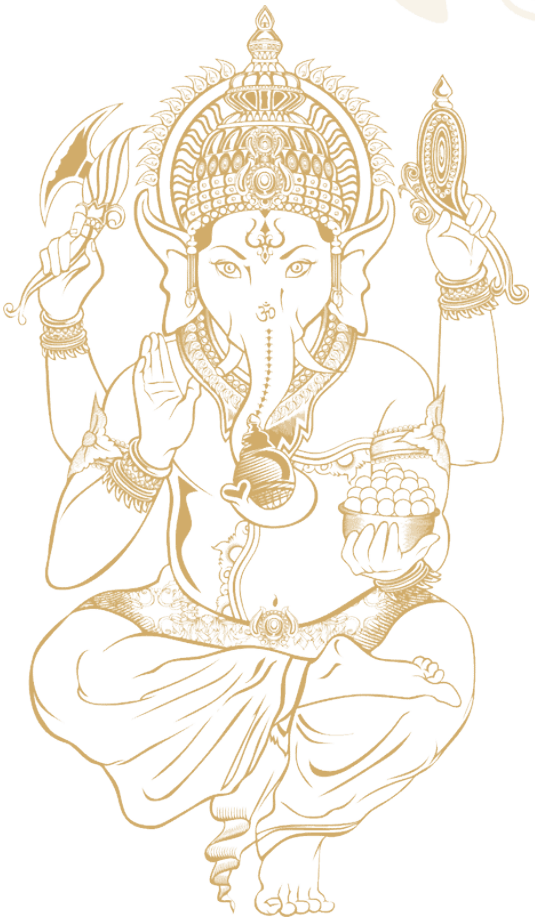

Kumar

Rashi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121050603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
7-08/05/1997	जन्म तिथि	8-09/11/2000
बुध-गुरुवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 05:20:00	जन्म समय	01:34:00 घंटे
घटी 59:24:06	जन्म समय(घटी)	47:58:42 घटी
India	देश	India
Damoh	स्थान	Chhatarpur
23:50:00 उत्तर	अक्षांश	24:54:00 उत्तर
79:30:00 पूर्व	रेखांश	79:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:12:00	स्थानिक संस्कार	-00:11:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:21	सूर्योदय	06:23:41
18:43:08	सूर्यास्त	17:27:07
23:49:10	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:50

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 0वर्ष 9मा 25दि		18:32:08	मेष	लग्न	सिंह	17:02:47	शनि 3वर्ष 5मा 2दि	
राहु		23:37:20	मेष	सूर्य	तुला	22:51:43	केतु	
03/03/2015		08:10:42	वृष	चंद्र	मीन	14:15:51	12/04/2021	
03/03/2033		23:32:22	सिंह	मंगल	कन्या	09:03:42	12/04/2028	
राहु	14/11/2017	05:40:40	मेष व	बुध	तुला	06:07:35	केतु	08/09/2021
गुरु	08/04/2020	26:26:14	मक	गुरु व	वृष	14:47:46	शुक्र	08/11/2022
शनि	13/02/2023	02:49:17	वृष	शुक्र	धनु	01:01:12	सूर्य	16/03/2023
बुध	02/09/2025	21:02:21	मीन	शनि व	वृष	04:29:20	चन्द्र	15/10/2023
केतु	20/09/2026	03:49:08	कन्या व	राहु व	मिथु	23:41:58	मंगल	13/03/2024
शुक्र	20/09/2029	03:49:08	मीन व	केतु व	धनु	23:41:58	राहु	31/03/2025
सूर्य	15/08/2030	14:50:35	मक	हर्ष	मक	23:06:20	गुरु	07/03/2026
चन्द्र	13/02/2032	06:07:43	मक व	नेप	मक	10:05:29	शनि	16/04/2027
मंगल	03/03/2033	10:52:49	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	17:53:57	बुध	12/04/2028

लग्न-चलित

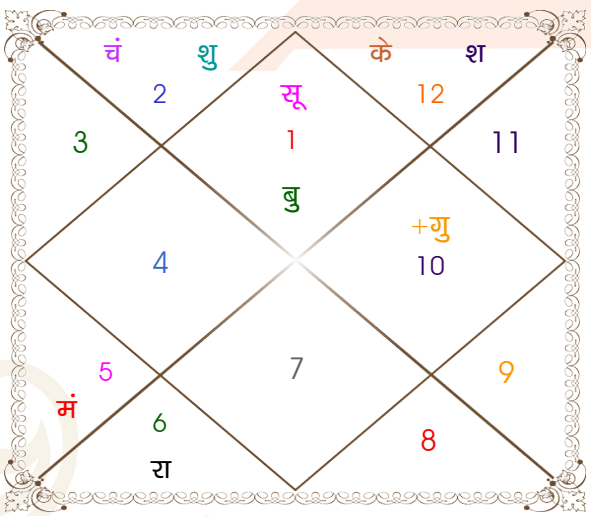

लग्न-चलित

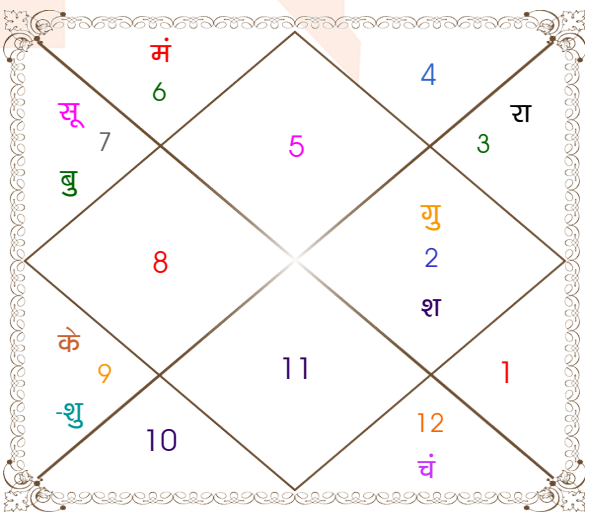

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

ज्ञनउंत का वर्ग गरूड़ है तथा Rashi का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञनउंत और Rashi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञनउंत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Rashi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ज्ञनउंत तथा Rashi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।